प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में कृषि मंत्री ने किया बीज गोदाम का शिलान्यास

पंतनगर। ११ अगस्त, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय में आज उत्तराखण्ड के कृषि एवं उद्यान मंत्री, श्री सुबोध उनियाल, ने विश्वविद्यालय के प्रजनक बीज उत्पादन केन्द (बीएसपीसी) पर 'दलहनी सीड हब परियोजना' के अन्तर्गत एक बीज गोदाम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड शासन के कृषि सचिव, श्री डी. सेंथिल पांडियन; पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा; एवं क्षेत्रीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला; के अतिरिक्त पूर्व मंत्री, श्री राम प्रसाद टम्टा; निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी; एवं संयुक्त निदेशक, बीएसपीसी, डा. पी.एस. शुक्ला, भी उपस्थित थे।

श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के अभियान के अन्तर्गत बीज एक महत्वपूर्ण कड़ी है। पंतनगर विश्वविद्यालय अपने बीजों के लिए देश भर में प्रसिद्ध है तथा ऊधमसिंह नगर जिले के किसानों की जीविका पूर्णरूप से इन बीजों पर निर्भर है। इनकी गुणवत्ता में कोई भी कमी यहां के किसानों को सबसे अधिक प्रभावित करेगी। श्री उनियाल ने विश्वविद्यालय के नये-नये शोधों एवं बीजों को शीघ्रातिशीघ्र किसानों के खेतों तक पहुंचाये जाने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के पास बीज उत्पादन के सभी साधन उपलब्ध है, अतः इनका सदुपयोग करते हुए दलहनी फसलों के बीज उत्पादन में भी विश्वविद्यालय को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि पंतनगर के उच्च गुणवत्तायुक्त बीज अगले ५० वर्षों में कृषि उत्पादन को लगभग ६० प्रतिशत तक बढ़ाने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज कृषि मंत्री द्वारा किया गया शिलान्यास इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

श्री राजेश शुक्ला ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों पर किसानों की आय दोगुना करने की बड़ी जिम्मेदारी है तथा यह आशा की जाती है कि वे अपने इस जिम्मेदारी को पूर्णरूप से निभायेंगे। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के शोधों से प्राप्त नयी तकनीकों से किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए भी कहा। इस कार्यक्रम का संचालन डा. एस.एन. तिवारी ने किया तथा अंत में धन्यवाद डा. पी.एस. शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विकसित बायोचर प्लांट को जिला अल्मोड़ा के कांतली गांव के किसान श्री शंकर राम को प्रदान किया गया। इस बायोचर प्लांट से पंतनगर में संचालित हो रही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना 'कृषि तथा कृषि उद्योगों में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग' के अन्तर्गत विकसित तकनीक का प्रयोग कर श्री शंकर राम चीड़ की पत्तियों से बायोचर बनाकर तंदूर एवं घरेलू उपयोग के लिए टिक्ली का उत्पादन तथा शीतकाल में अंगीठी हेतु ईंधन बनाकर अपनी आय बढ़ा सकेंगें। इस बायोचार प्लांट द्वारा एक खेप में लगभग ६० किलोग्राम चीड़ की पत्तियों से बायोचार बनाया जा सकता है तथा प्रति खेप करीब १५ किलोग्राम बायोचार प्राप्त होता है। इस बायोचार को गोबर अथवा मिट्टी से मिश्रित कर टिकलियों का उत्पादन किया जाता है ।

प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र पर दलहन सीड हब परियोजना के अन्तर्गत बीज गोदाम का शिलान्यास करते कृषि मंत्री श्री सुबोध उनियाल; साथ में कुलपति प्रो. ए.के. मिश्रा एवं स्थानीय विधायक श्री राजेश शुक्ला।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक